आकार ले रहे मेट्रो-3 के स्टेशन

सबसे व्यस्त कालबादेवी स्टेशन का निर्माण, एनएटीएम तकनीक का इस्तेमाल

■ सूर्यप्रकाश मिश्र @ नवभारत.

मुंबई. मुंबई की पहली भूमिगत मेट्रो का काम फ़ास्ट ट्रैक पर शुरू है. बताया गया कि पॅकेज 1 के तहत 95 प्रतिशत सिविल वर्क कंप्लीट होने के साथ कई भूमिगत स्टेशन तेजी आकार ले रहे हैं.

विधानभवन स्टेशन अंतिम चरण में : अंडरग्राउंड मेट्रो 3 के स्टेशनों के निर्माण न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड (एनएटीम) तकनीक से किया जा रहा है. इसके तहत सुरंग कार्य के साथ कट एंड कवर मेथेडोलॉजी अपनाई जा रही है. सबसे व्यस्त इलाके कालबादेवी इलाके में मेट्रो स्टेशन का निर्माण किया जा रहा है. अत्यंत संकरे क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन बनाने का चुनौतीपूर्ण कार्य हो रहा है. यहां सबसे ज्यादा ट्रैफिक रहता है. कालबादेवी के अलावा कफपरेड, विधानभवन, चर्चगेट और हुतात्मा चौक स्टेशन का काफी काम हो चुका है. एमएमआरसी के अनुसार सीप्ज, सिद्धिविनायक और एमआयडीसी स्टेशनों पर शत-प्रतिशत ट्रैक बिछाने का काम हो चुका है. मुंबई सेंट्रल, विधानभवन स्टेशनों का काम भी अंतिम चरण में है.

सरकार बदलने का बाद आई तेजी

गौरतलब है कि राज्य में नई शिंदे-फडणवीस सरकार आने के बाद मेट्रो 3 के काम में काफी तेजी आई है. एमएमआरसी की एमडी अश्विनी भिड़े लगातार कार्य की समीक्षा कर रहीं हैं. टनेल सेक्शन में कफ परेड से विधान भवन तक ट्रैक का काम पूरा हो चुका है. स्टेशनों को शेपिंग दी जा रही है. प्लेटफॉर्म, एंट्री-एग्जिट एस्केलेटर आदि कई काम चल रहे हैं.एमएमआरसी की टीम लक्ष्य के अनुसार काम को गति देने में लगी हुई है.

2024 तक शुरू करने का लक्ष्य

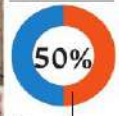

ट्रैक का काम हो चुका है पूरा

2024 तक बन जाएगा कारशेड

जापान सरकार के वित्तीय सहयोग से एमएमआरसी द्वारा किए जा रहे इस बहुउद्देशीय प्रोजेक्ट के लिए राज्य सरकार ने आरे में ही कारशेड बनाए जाने का निर्णय लिया है. वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अश्विनी भिड़े के मार्गदर्शन में मेट्रो 3 के कारशेड का काम भी आरे में शुरू है. एमएमआरसी के अनुसार 2024 तक कारशेड बन जाएगा. इसके साथ ट्रायल भी शुरू हो जाएगा.

ट्रैक के लिए एलवीटी तकनीक

मेट्रो 3 के अंडरग्राउंड स्टेशनों पर ट्रैक बिछाने के लिए लो वाइब्रेंट टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि मेट्रो चलते समय भूमिगत स्टेशनों और ऊपर रोड पर भी पर भी कंपन न हो. आम रेल ट्रैक की बजाय अलग लेयर वाली पटरी बिछाई जा रही है. लगभग 50 प्रतिशत ट्रैक का काम पूर्ण हो चुका है. टनलिंग का काम पूरा होने के बाद स्टेशन, प्लेटफार्म और कॉनकोर्स लेवल अथार्थ टिकट घर के साथ स्टेशन के छत का काम भी तेजी से शुरू है. मेट्रो 3 के 2 रेक मुंबई पहुंच गए हैं.

भूमिगत मेट्रो के बारे में

- कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज तक लगभग 33 .50 किमी लंबी मुंबई की यह पहली अंडर ग्राउंड मेट्रो 3 है.
- इस मेट्रो मार्ग पर कुल 27 स्टेशन हैं,इनमें 26 स्टेशन अंडर ग्राउंड तथा 1 स्टेशन जमीन के ऊपर.
- इस मेट्रो परियोजना की लागत लगभग 33 हजार करोड़ है.
- यह मेट्रो लाइन वेस्टर्न को सेंट्रल लाइन से जोड़ने का काम करेगी.
- अंडरग्राउंड होने के कारण इससे मुंबई को भारी ट्रैफिक से निजात मिल सकेगी.